श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम ....

श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम,
लोग करें मीराँ को, यूँ ही बदनाम,
सांवरे की बंसी को बजने से काम,
राधा का भी श्याम, वो तो मीरा का भी श्याम।।
ओऽऽऽ जमुना की लहरें, बंसी–वट की छैय्या।
किसका नहीं हैं, कहो कृष्ण–कन्हैया।
श्याम का दीवाना, वो तो सारा ब्रजधाम।
राधा का भी श्याम....
ओऽऽऽ कौन जाने बाँसुरिया, किसको बुलाए।
जिसके मन भाए, वो उसी के गुण गाए।
कौन नहीं, कौन नहीं बंसी की धुन का गुलाम।
राधा का भी श्याम....

गुरू गोविन्द दोनों खड़े, काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरु आपकी, गोविन्द दियो बताय।।